VPAS

विक्टोरियन
पेरिनैटल
ऑटोप्सी
सेवा

यह तय करना कि आपके शिशु का पोस्टमार्टम होना चाहिए या नहीं

हमें आपके शिशु के गुजर जाने का बहुत अफ़सोस है।

अपने शिशु की मृत्यु के बाद आप जो निर्णय लेंगे/गी, वे आपके द्वारा लिए जाने वाले सबसे कठिन निर्णयों में से होंगे।

आपको यह जानकारी इस बारे में सोचने में मदद करने के लिए दी गई है कि आप अपने शिशु की पोस्टमार्टम जांच (जिसे शव परीक्षण भी कहा जाता है) कराने का फैसला करेंगे या नहीं। हमारा उद्देश्य आपको स्पष्ट और सटीक जानकारी देना है ताकि आपको अपने, अपने परिवार और अपने शिशु के लिए सही निर्णय लेने में मदद मिल सके।

यह सूचना पत्र हमारी सेवाओं, उपलब्ध विभिन्न पोस्टमार्टम विकल्पों के विवरण, वे कहाँ होते हैं और हम कैसे सुनिश्चित करते हैं कि आपका शिशु सुरक्षित रूप से पहुँचे, के बारे में बताता है। यदि कोई ऐसी बात है जिसके बारे में आप निश्चित नहीं हैं, या जिसे आप और अधिक विस्तार से जानना चाहते/ती हैं, तो कृपया उस व्यक्ति से पूछने में संकोच न करें जिसने आपको यह सूचना पत्र दिया है।

यह महत्वपूर्ण है कि पोस्टमार्टम के बारे में निर्णय लेने से पहले आपके पास सभी आवश्यक जानकारी हो। आप अपने परिवार के साथ इस पर चर्चा करना चाह सकते/ती हैं। आप आध्यात्मिक या सांस्कृतिक मार्गदर्शन और सहायता भी प्राप्त करना चाह सकते/ती हैं, या ऐसे माता-पिता से भी बात कर सकते/ती हैं, जिन्होंने अपने जीवन में इसका अनुभव किया हो (पृष्ठ 4 पर शोक संसाधन क्यूआर कोड देखें)।

विक्टोरियन पेरिनैटल ऑटोप्सी सर्विस कौन है?

विक्टोरियन पेरिनैटल ऑटोप्सी सर्विस (VPAS) विक्टोरियन समुदाय में प्रसवपूर्व मृत्यु की घटनाओं के लिए शव परीक्षण सेवाएँ प्रदान करती है। प्रसवकालीन मृत्यु की घटनाओं में मृत जन्म और नवजात मृत्यु शामिल हैं। मृत जन्म तब होता है जब गर्भावस्था के 20 सप्ताह बाद भी शिशु में जीवन के कोई लक्षण दिखाई नहीं देते हैं या गर्भावस्था की अवधि अज्ञात होने पर उसका वजन 400 ग्राम से अधिक होता है। नवजात शिशु की मृत्यु तब होती है जब जीवन के पहले 28 दिनों के भीतर शिशु की मृत्यु हो जाती है।

VPAS को विक्टोरियन सरकार द्वारा बनाया गया था और यह रॉयल विमेंस हॉस्पिटल, मोनाश हेल्थ, मर्सी हॉस्पिटल फॉर विमेन और उनके पैथोलॉजी प्रदाताओं के बीच सहयोग है।

हम शिशु की मृत्यु से पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए विक्टोरियन अस्पतालों के साथ मिलकर काम करते हैं।

हम अस्पताल के कर्मचारियों को जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और शिशु की मृत्यु के बाद पोस्टमार्टम जांच के अनुरोधों का समन्वय करते हैं।

पोस्टमार्टम क्या है?

पोस्टमार्टम मृत्यु के बाद किसी मेडिकल विशेषज्ञ द्वारा शव की मेडिकल (चिकित्सीय) जांच है। प्रसव के बाद की सभी पोस्टमार्टम जांच में प्रसव रोग विशेषज्ञ शामिल होते हैं। वे अत्यधिक कुशल और अनुभवी डॉक्टर हैं जिन्होंने शिशुओं के पोस्टमार्टम में विशेष रूप से प्रशिक्षण लिया है।

आपकी सहमति के बिना किसी भी प्रकार की पोस्टमार्टम जांच नहीं की जाएगी। यह ज़रूरी है कि आपका निर्णय प्रसवकालीन पोस्टमार्टम परीक्षा फॉर्म के लिए VPAS सहमति पर दर्ज किया जाए।

आपके शिशु की मृत्यु के बाद जितनी जल्दी हो सके, जांच की जाती है। यह आमतौर पर कुछ व्यावसायिक दिनों के भीतर होता है।

आपके शिशु के साथ हमेशा देखभाल और सम्मान से व्यवहार किया जाएगा, जब से उन्हें विशेषज्ञ साइट पर ले जाया जाता है, परीक्षा के दौरान और जब उन्हें आपकी पसंद के अंतिम संस्कार निदेशक को वापस कर दिया जाता है।

पोस्टमार्टम जांच और कोई भी अतिरिक्त परीक्षण ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की पेरिनैटल सोसायटी (PSANZ) के दिशा-निर्देशों का पालन करते हैं।

कुछ परिस्थितियों में, शिशु की मृत्यु को कोरोनर को संदर्भित किया जाना आवश्यक है। इस स्थिति में पोस्टमार्टम जांच की व्यवस्था करना कोरोनर की जिम्मेदारी है। यह असामान्य स्थिति होती है और आपके और आपके शिशु की देखभाल करने वाले कर्मचारियों द्वारा आपसे इस बारे में चर्चा की जाएगी।

हम पोस्टमार्टम क्यों करवाते हैं?

जब किसी शिशु की मृत्यु हो जाती है, तो हम पोस्टमार्टम करवाते हैं ताकि यह समझ सकें कि क्या हुआ।

आपकी गर्भावस्था की परिस्थितियों के आधार पर, पोस्टमार्टम से जन्म से पहले निदान की गई किसी भी स्थिति और मृत्यु के कारण के बारे में और अधिक महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

यह भविष्य के गर्भधारणों के लिए भी बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है और मृत जन्म और नवजात मृत्यु को रोकने के लिए अनुसंधान का समर्थन करता है।

पोस्टमार्टम के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

विभिन्न प्रकार के पोस्टमार्टम उपलब्ध हैं, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग स्तर की जानकारी प्रदान करता है। जितनी अधिक गहन जांच होगी, उतनी ही सटीक जानकारी हम प्राप्त कर सकते हैं।

सभी पोस्टमार्टम में नैदानिक तस्वीरें लेना और प्लेसेंटा की जांच करना शामिल है। इनमें एक्स-रे, एमआरआई स्कैन (जो विस्तृत आंतरिक चित्र देते हैं) और संक्रमण और आनुवंशिक स्थितियों के लिए परीक्षण जैसे अन्य टेस्ट भी शामिल हो सकते हैं।

पूर्ण पोस्टमार्टम

पूर्ण पोस्टमार्टम में आपके शिशु के शरीर की पूरी तरह से बाहरी और आंतरिक जांच शामिल होती है।

आंतरिक जांच के दौरान, पैथोलॉजिस्ट आमतौर पर दो छेद (चीरे) लगाएगा और अंगों और मस्तिष्क को सावधानीपूर्वक निकालेगा और उनका निरीक्षण करेगा।

विश्लेषण के लिए ऊतक के छोटे नमूने (बायोप्सी की तरह) लिए जाएँगे और उन्हें संग्रहीत किया जाएगा। निदान के लिए मस्तिष्क सहित किसी भी ऊतक या अंग की आवश्यकता न होने पर उसे आपके शिशु के शरीर में वापस कर दिया जाएगा, जब तक कि आप अन्यथा अनुरोध न करें।

जांच के बाद, चीरों को सावधानीपूर्वक बंद कर दिया जाएगा, और आपके शिशु को कपड़े पहनाए जा सकते हैं। एक बार पोशाक और बीनी पहना देने के बाद, टांके दिखाई नहीं देंगे।

सीमित पोस्टमार्टम

सीमित पोस्टमार्टम में, पूरे पोस्टमार्टम के केवल कुछ हिस्सों की ही जांच की जाती है।

पैथोलॉजिस्ट आपके बच्चे के शरीर के बाहरी हिस्से की पूरी तरह से जांच करेगा। फिर वे आपके और आपके डॉक्टर द्वारा तय किए गए विशिष्ट अंगों या क्षेत्रों की सीमित आंतरिक जांच करेंगे।

उदाहरण के लिए, आप केवल बाहरी हिस्से की जांच करवाना और केवल पेट (टमी) के अंगों की आंतरिक जांच करवाना चुन सकते/ती हैं। या, आप आनुवंशिक परीक्षण के लिए केवल त्वचा के नमूने लेने के लिए सहमत हो सकते/ती हैं।

विश्लेषण के लिए छोटे ऊतक के नमूने लिए जाएंगे और उन्हें संग्रहीत किया जाएगा।

बाहरी पोस्टमार्टम

बाहरी पोस्टमार्टम में आपके शिशु के शरीर के बाहरी हिस्से की पूरी तरह से जांच की जाती है। इसमें कोई आंतरिक जांच नहीं की जाएगी, कोई चीरा नहीं लगाया जाएगा और कोई ऊतक का नमूना नहीं लिया जाएगा।

पोस्टमार्टम के बाद ऊतक और अंगों का क्या होता है?

After a post-mortem, the perinatal पोस्टमार्टम के बाद, प्रसवकालीन रोगविज्ञानी माइक्रोस्कोप के नीचे लिए गए ऊतक के छोटे टुकड़ों की जांच करेंगे।

इन नमूनों को आमतौर पर मोम के ब्लॉक में संरक्षित किया जाता है। जांच के बाद, इन ब्लॉकों को पैथोलॉजी विभाग में संग्रहीत किया जाता है।

अस्पतालों के लिए कानून के अनुसार पोस्टमार्टम के दौरान लिए गए किसी भी ऊतक (मोम के ब्लॉक) को कम से कम 25 साल तक रखना आवश्यक है।

ऊतक का एक छोटा सा नमूना भी भविष्य के परीक्षणों के लिए जमा करके रखा जा सकता है, जिन्हें आप और आपके डॉक्टर आवश्यक मानते हैं।

शेष सभी ऊतक या अंग आपके शिशु के शरीर में वापस कर दिए जाएँगे। हालाँकि, कभी-कभी बहुत छोटे अंगों वाले छोटे शिशुओं में, परीक्षण के लिए पर्याप्त नमूना प्राप्त करने के लिए हमें पूरे अंग की आवश्यकता हो सकती है।

यदि आपने अस्पताल को अनुसंधान और शिक्षण के लिए किसी भी शेष ऊतक या अंग का उपयोग करने की अनुमति दी है, तो कृपया जान लें कि इसमें मोम के ब्लॉक में ऊतक, ताज़ा ऊतक और नैदानिक तस्वीरें शामिल हो सकती हैं। इन वस्तुओं से आपके शिशु की पहचान नहीं हो पाएगी।

यदि आप चाहें, तो परीक्षा के बाद आपका प्लेसेंटा आपको वापस किया जा सकता है। प्लेसेंटल परीक्षा में जांच के लिए एक छोटा सा नमूना लेना और फॉर्मेलिन (प्लेसेंटा को संरक्षित करने में सहायता करने वाला एक रसायन) का उपयोग करना शामिल है।

पोस्टमार्टम के फायदे और नुकसान क्या हैं?

फायदे

पोस्टमार्टम से निम्नलिखित में मदद मिल सकती है:

- मृत्यु के कारण के बारे में जानकारी प्रदान करना या मृत्यु के कारणों में से किस कारण को न बताया जाए।
- आपके शिशु की गर्भकालीन आयु की पुष्टि करना।
- आपके शिशु के लिंग की पुष्टि करना।
- मृत्यु का अनुमानित समय बताना।
- आनुवंशिक या शारीरिक समस्याओं के महत्व की व्याख्या करना।
- भविष्य के गर्भधारण के लिए संभावित विचारों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- प्रसवकालीन हानि के बारे में अनुसंधान का मार्गदर्शन करने और भविष्य में अन्य परिवारों और शिशुओं की मदद करने के लिए डेटा और जानकारी प्रदान करना।

नुकसान

- हो सकता है कि पोस्टमार्टम से हमेशा मृत्यु का कोई खास कारण पता नहीं चले।
- पोस्टमार्टम के समय कभी-कभी जटिल जांचों का मतलब हो सकता है कि आपके शिशु को ज़्यादा समय तक अस्पताल में रहना होगा और इससे अंतिम संस्कार की व्यवस्था में देरी हो सकती है। आप तय कर पाएंगे कि इन जांचों को आगे बढ़ाना है या नहीं और आपकी स्वास्थ्य सेवा टीम यह स्पष्ट कर सकती है कि इनमें कितना समय लग सकता है।
- आंतरिक जांच के बाद, आपके शिशु पर टांके लगेंगे, लेकिन जब आपके शिशु को कपड़े पहना दिए जाएँगे तो ये दिखाई नहीं देंगे।
- कुछपरिवारोंकोपूरेपोस्टमार्टमकेबादअपनेशिशुकीस्थिति में अंतर महसूस होता है।

पोस्टमार्टम कहां होगा?

विक्टोरिया में पोस्ट-मॉर्टम जांच तीन विशेषज्ञ साइटों में से किसी एक पर की जाती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके शिशु की मृत्यु कहाँ हुई है। ये सभी साइटें मेलबर्न में स्थित हैं। वे हैं:

- रॉयलविमेंसहॉस्पिटल,पार्कविले(रॉयलचिल्ड्रेनहॉस्पिटल पैथोलॉजी)
- दमर्सीहॉस्पिटलफॉरविमेन,हीडलबर्ग(ऑस्टिनपैथोलॉजी)
- मोनाश हेल्थ, क्लेटन (मोनाश पैथोलॉजी)

आपकी देखभाल करने वाला स्टाफ आपको बताएगा कि कौन सा अस्पताल आपके शिशु की जांच करेगा।

मेरे शिशु को जांच के लिए कौन ले जाएगा?

हमारे पास एक समर्पित परिवहन टीम है जो शिशुओं की देखभाल करने में अनुभवी और प्रशिक्षित है।

यदि आप अपने शिशु का पोस्टमार्टम करवाने का निर्णय लेते/ती हैं, तो हम अपनी टीम को उस अस्पताल में भेजेंगे जहाँ आपका शिशु है। वे सुनिश्चित करेंगे कि आपका शिशु यात्रा के लिए तैयार है और जाँच के लिए सुरक्षित पहुँच जाए।

यदि आप विक्टोरिया के किसी क्षेत्रीय क्षेत्र में रहते/ती हैं, तो हम जाँच के बाद आपके शिशु को आपके अंतिम संस्कार निदेशक को वापस करने की व्यवस्था भी करेंगे, जिसे आपने अंतिम संस्कार में आपकी सहायता करने के लिए चुना है।

यह सेवा निःशुल्क है।

पोस्टमार्टम में कितना समय लगता है?

पोस्टमार्टम की जांच एक्स-रे या एमआरआई जैसी बाहरी जांचों से शुरू होती है। ये जांच जल्द से जल्द की जाएंगी, लेकिन इसमें कुछ दिन लग सकते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि ये सेवाएं कब उपलब्ध होंगी। इन जांचों के समाप्त होने के बाद, आंतरिक जांच की जा सकती है, जिसमें सर्जरी शामिल है। आंतरिक जांच में लगभग तीन घंटे लगेंगे।

हम समझते हैं कि आपके लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि आपका शिशु कितने समय तक हमारी देखभाल में रहेगा, क्योंकि इससे आपके शिशु के अंतिम संस्कार की आपकी योजनाओं पर असर पड़ सकता है।

विचार करने वाली एक और बात यह है कि आप और आपका शिशु कहां रहते हैं। यदि आप विक्टोरिया के किसी क्षेत्रीय क्षेत्र में हैं, तो हमें आपके शिशु को मेलबर्न में प्रसवकालीन रोगविज्ञानी के पास ले जाने में लगने वाले समय को भी ध्यान में रखना होगा।

आपकी देखभाल करने वाला स्टाफ़ VPAS समन्वयक से संपर्क कर सकता है ताकि यह पता चल सके कि आपका शिशु आपको कब लौटाया जाएगा।

पोस्टमार्टम के बाद क्या होता है?

जब पोस्टमार्टम जांच पूरी हो जाती है तो हम अंतिम संस्कार की व्यवस्था में आपकी सहायता करने के लिए आपके द्वारा चुने गए अंतिम संस्कार निदेशक से संपर्क करते हैं।

हम आपके शिशु को सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से हमारी देखभाल से उनकी देखभाल में स्थानांतरित करने का समन्वय करेंगे।

क्या आप पोस्टमार्टम के बाद अपने शिशु को देख सकते हैं?

हां। कुछ माता-पिता पोस्टमार्टम के बाद अपने शिशु के साथ समय बिताना पसंद करते हैं, या तो जब उनका शिशु अंतिम संस्कार निदेशक की देखभाल में होता है या कुछ मामलों में घर पर होता है।

आपको पोस्टमार्टम के नतीजे कब मिलेंगे?

पोस्टमार्टम जांच के बाद, प्रसवकालीन रोगविज्ञानी एक विस्तृत रिपोर्ट लिखेंगे जिसमें बताया जाएगा कि उन्हें क्या मिला। रिपोर्ट आमतौर पर 10 से 12 सप्ताह के भीतर पूरी हो जाती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि किन परीक्षणों की आवश्यकता है और परिणाम प्राप्त करने में कितना समय लगता है।

रिपोर्ट उस डॉक्टर को भेजी जाएगी जिसने आपकी और आपके शिशु की देखभाल की है। वे आपके शिशु की पोस्टमार्टम जांच के दौरान क्या पाया गया, इस पर चर्चा करने के लिए आपके साथ अनुवर्ती नियुक्ति (फॉलो-अप अपॉइंटमेंट) की व्यवस्था करेंगे।

इसमें क्या लागत शामिल है?

पोस्ट-मॉर्टम जांच के लिए कोई लागत नहीं है। यह VPAS द्वारा कवर किया जाता है।

हम आपके शिशु को जांच के लिए विशेषज्ञ साइट पर ले जाने और क्षेत्रीय स्थानों से शिशुओं को घर लाने की लागत भी कवर करेंगे।

आपको कब निर्णय लेना चाहिए?

आपकी स्वास्थ्य सेवा टीम आपके शिशु की मृत्यु के तुरंत बाद पोस्टमार्टम करवाने के बारे में आपसे बात करेगी। यह निर्णय जल्द से जल्द लेना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रतीक्षा करने से परीक्षा परिणामों की सटीकता प्रभावित हो सकती है।

अपने शिशु और अपने परिवार के साथ समय बिताएँ और चुनें कि आपके लिए क्या सही है।

और अधिक जानकारी

आप निम्न जानकारी के लिए इन QR कोड को स्कैन कर सकते/ती हैं:

पेरिनैटल ऑटोप्सी।

शोक संसाधन

यदि आपको और अधिक जानकारी की आवश्यकता है तो VPAS समन्वयक से संपर्क करें

T 1800 841 024

E VPAC@thewomens.org.au

समय

सोमवार-शुक्रवार

सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक।